PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Amar Ujala, Delhi
Thursday 22nd October 2015, Page: 12
Width: 6.43 cms, Height: 16.86 cms, a4, Ref: pmin.2015-10-22.43.95

भारतीय दवाओं की भारी-भरकम कीमतों से परेशान हैं अफ्रीकी देश

प्रियंवदा सहाय

नई दिल्ली। विदेशों में भारतीय दवाओं की भारीभरकम कीमतों से गरीब अफ्रीकी देश परेशान हैं। उन्होंने केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखकर इसे उजागर किया है। साथ ही सरकार से दवाओं की वाजिब कीमत तय करने का अनुरोध भी किया है।

इस बारे में वाणिज्य मंत्रालय ने स्वास्थ्य मंत्रालय के आला अधिकारियों से संपर्क साधा है। ताकि कीमतों को कम करने के विकल्प तलाशे जाएं। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि घरेलू स्तर पर केंद्र ने दवाओं की कीमतों को नियंत्रित कर रखा है। लेकिन दवा कंपनियां विदेशों में मनमाफिक कीमत तय करने को आजाद हैं। दरअसल, विदेशों में भेजी जाने वाली दवाओं पर दवा कीमत नियंत्रण आदेश लागू नहीं होता है। यही वजह है कि कंपनियां कई देशों में दस गुना अधिक कीमत पर भी दवाएं बेच रही हैं। विकसित देश दवाओं की अधिक कीमत होने से प्रभावित नहीं है लेकिन विकासशील और गरीब कहे जाने वाले देशों ने इस पर आपत्ति जताई है। करीब दर्जन भर अफ्रीकी देशों के जरिए इस मामले के उठाए जाने को केंद्र ने भी गंभीरता से लिया है। मंगलवार को वाणिज्य मंत्रालय में एक महत्वपूर्ण बैठक भी हुई है। भारत से अफ्रीका निर्यात होने वाले उत्पादों में फार्मास्युटिकल का स्थान काफी महत्वपूर्ण है। अनुमानित तौर पर कुल निर्यात का करीब 16 फीसदी हिस्सा फार्मा क्षेत्र का शामिल है। अफ्रीकी देशों का कहना है कि भारतीय दवाएं बेहतर हैं, लेकिन ऊंची कीमतों के कारण इसे खरीदना मुश्किल हो रहा है। एचआईवी एड्स से निपटने और यहां फैलने वाली बीमारियों के इलाज और विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ-साथ दुनिया भर से सहयोग मिलता है।

गरीब देशों ने दवाओं को सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराने का केंद्र से किया अनुरोध

African countries are worried over costlier Indian generics.

Ricky.